>

Title: Request to develop Mangabedha, Solapur, Pandharpur, Masnoor, Akkalkot Tuljapur and Hattarsang, places of Solapur Constituency as a tourist centre.

**डॉ. जयसिधेश्वर शिवाचार्य स्वामीजी (शोलापुर):** अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं ।

'त्रैलोक्य संपदालेख्य समुल्लेखन भित्तये ।

सच्चिदानंद रुपाय शिवाय ब्रहमणे नम: ॥'

**माननीय अध्यक्ष:** शिवाचार्य जी भी पहली बार बोल रहे हैं ।

**डॉ. जयसिधेश्वर शिवाचार्य स्वामीजी (शोलापुर) :** अध्यक्ष महोदय, मैं महाराष्ट्र राज्य के शोलापुर संसदीय क्षेत्र से आता हूं । मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद प्रस्तुत करता हूं और साथ ही साथ इस देश के लोकप्रिय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की भी भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए, उनको धन्यवाद प्रस्तुत करता हूं ।

पिछली बार नरेन्द्र मोदी जी ने सोलापुर शहर को स्मार्ट सिटी घोषित कि या और वहां कार्य प्रगति पर है । मैं इसके लिए उनको धन्यवाद देता हूं । जिस संसदीय क्षेत्र से मैं आता हूं, उस संसदीय क्षेत्र के जितने भी रहने वाले लोग हैं, उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए धन्यवाद प्रस्तुत करता हूं । महाराष्ट्र राज्य में स्थित सोलापुर शहर एक ऐतिहासिक, धार्मिक और औद्योगिक शहर है । इस शहर में शिवयोगी सिद्धरामेश्वर जी का बहुत ही बड़ा, सुंदर और अति अप्रतिम मंदिर है । शिवयोगी सिद्धरामेश्वर जी 12वीं शताब्दी में हुए, जिनकी शिवयोग समाधि है । उनका बहुत ही सुंदर और सुहावना मंदिर है । जिस तरह पंजाब में स्वर्ण मंदिर है, उसी तरह 35 से लेकर 40 एकड़ जमीन में तालाब के बीचो-बीच यह मंदिर है । सोलापुर शहर के उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण, चारों तरफ तीर्थ क्षेत्र हैं । यहां पंढरपुर है । परसों ही आषाढ़ एकादशी के दिन यात्रा हुई, जिसमें

महाराष्ट्र के ही नहीं, अन्य प्रांतों के भी करीब 15 से 20 लाख लोग दर्शन के लिए आए थे । इसी तरह से पूर्व दिशा में अक्कलकोट स्थित शहर में स्वामी समर्थ का मंदिर है । सोलापुर से उत्तरी दिशा पर तुलजापुर अम्बा भवानी का मंदिर है । शिवाजी महाराज मंदिर ने उसी अम्बा भवानी मंदिर से प्रसाद लेकर हिंदी स्वराज राज्य की स्थापना की थी । इसी तरह सोलापुर शहर के पश्चिमी दिशा पर एक कूडल संगम क्षेत्र है । उस क्षेत्र में एक बहुत सुंदर, अप्रतिम शिवलिंग है । यहां एक ही शिवलिंग में 365 रेखांकित किये हुए शिवलिंग हैं । मंगलबेढ़ा, सोलापुर, पंढरपुर, मासनूर, अक्कलकोट, तुलजापुर, हत्तरसंगकूडल हैं, ये जितने भी क्षेत्र हैं, मैं आपके द्वारा पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्रालय से अनुरोध करता हूं कि इन सभी क्षेत्रों को पर्यटन केन्द्र के रूप में आप विकसित करें । मैं यह निवेदन करता हूं ।

इतना ही नहीं, मैं आपसे एक अनुरोध करता हूं कि पर्यटन विषय पर इस सभा, मंदिर में आप आधे घंटे की चर्चा कराएं । मैं इतना ही अनुरोध करता हूं और आपको एक बार फिर दोबारा धन्यवाद देते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं ।

**माननीय अध्यक्ष :** आपके प्रस्ताव को जल्दी ही स्वीकार कर रहे हैं ।